डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 207 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 13 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

आस्था और अंधविश्वास के बीच झूलती आत्मा..!

सात साल पहले शुरु हुआ सिलसिला, अभी भी जारी

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। रविवार को अमलावद से एक परिवार फिर अपने घर के मृत सदस्य की आत्मा लेने बडे अस्पताल पहुंचा। आत्मा लेने पहुंचने का यह सिलसिला वर्ष 2018 में शुरु हुआ था अभी तक कई घटनाएं इस तरह की हो चुकी है। कुछ भी हो, इस तरह के घटनाक्रम के बीच आत्मा, आस्था और अंधविश्वास के बीच झूलती नजर आ रही है। कुछ लोग इस तरह की गतिविधियों पर सख्ती से रोक की मांग कर रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि मामला आस्था का है, इसमें प्रशासन को दखल देने की जरूरत ही क्या? हालांकि, हिन्दू शास्त्रों में आत्मा को लेकर तमाम जिज्ञासाओं का समाधान है।

बडा अस्पताल आत्मा को लेकर फिर सुर्खियों में है। रविवार को फिर पूजा पाठ के साथ परिवार अपने साथ मृत सदस्य की आत्मा ले गया। यह पहला मौका नहीं है। पहले भी कई लोग इस तरह की पूजा पाठ यहां करवा चुके हैं। उनके परिजनों का मानना है कि उनकी आत्मा यहीं भटक रही है। आत्मा को विधिवत ले जाकर उसे विधानपूर्वक परलोक की व्यवस्था में लाकर परिवार में शांति कायम की जा सकती है। यह भी गौर करने लायक बात है कि इन लोगों ने जो किया, वह किसी न किसी कथित ओझा, तांत्रिक के निर्देश पर ही किया। लेकिन, हिन्दू धर्म में आत्मा का अस्तित्व नकारा भी नहीं जा सकता। यही वजह है कि बडे अस्पताल में हुए घटनाक्रम को लेकर लोगों की अलग-अलग राय सामने आ रही है। किटियानी कालोनी निवासी कमल शर्मा कहते हैं कि जब हिन्दू धर्म में पुनर्जन्म की मान्यता है तो आत्मा को कैसे नकारा जा सकता है। दलौदा के विजय सिंह भी कुछ ऐसी ही राय रखते हैं। उनका कहना है कि हिन्दू धर्म में श्राद्ध, पितृ, पिंडदान आदि की व्यवस्था है तो अकाल मौत को प्राप्त हुए किसी व्यक्ति की आत्मा को गति-मुक्ति देने की प्रक्रिया को गलत कैसे ठहराया जा सकता है। मंदसौर के ही एक शिक्षक अजय परमार कहते हैं कि आत्मा तो अमर होती है। जो भी कुछ अस्पताल में हुआ वह ढकोसला है। कुछ तथाकथित तांत्रिकों का रचा प्रपंच है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के भोले भाले लोग फंस जाते हैं।

गरूड पुराण में है आत्मा की यात्रा का उल्लेख...

अखिल भारतीय ज्योतिष एवं कर्मकांड परिषद के संस्थापक पं. उमेश जोशी के अनुसार गरुड पुराण के अनुसार सनातन धर्म में पुनर्जन्म और आत्मा के अस्तित्व को मान्यता प्राप्त है। धर्मशास्त्रों में इसके सैकडों उदाहरण हैं। मनुष्य की मौत के बाद आत्मा की गति को लेकर गरुड पुराण में उल्लेख है कि जहां देह छूटती है, वहां आत्मा उपस्थित रहती है। जहां देह का अंतिम संस्कार किया जाता है, आत्मा वहां भी जाती है। इसके बाद अस्थि संचय कर घर ले जाते समय आत्मा उस परिवार के घर जाती है। अस्थि विसर्जन के बाद आत्मा की यात्रा प्रारंभ होती है। मृतक के कर्म और भाग्य के आधार पर यह गति तय होती है। यमलोक से होकर पुनर्जन्म और स्वर्ग, नर्क आदि सभी इस यात्रा के पडाव हैं। मोक्ष अंतिम मंजिल होती है। इसे भगवान की व्यवस्था कहा जा सकता है। लेकिन, अपघात से मरने वाले लोगों की आत्माएं इस सिस्टम में नहीं आ पाती है तो उनको भटकना शुरु होता है। यही संबंधित परिवार की परेशानी का कारण बनता है।

बता दें कि अपघात में 36 प्रकार की मौतों को शामिल किया गया है। जिसमें दुर्घटना, आत्महत्या, दीर्घकालिक बीमारी आदि शामिल है। इस प्रकार की मृत्यु को प्राप्त हुए लोगों की आत्मा भटकती है। इन्हीं भटकती आत्माओं को सिस्टम में लाने की अलग-अलग धर्म संप्रदायों में अलग-अलग प्रक्रियाएं होती हैं। तंत्र, मंत्र, ओझा सब इसी का अंग है। कई जाने माने धर्म स्थलों पर इंसानी शरीर में भूतों की मौजूदगी के साक्षात दर्शन होते हैं। ये वही आत्माएं होती हैं, जो व्यवस्था में न आ पाने की वजह से भटकती हैं। किसी परिजन की आत्मा के भटकाव से परेशानी झेल रहे परिवार कई बार फर्जी तांत्रिकों के चक्कर में आकर ठगे जाते हैं। लेकिन, विषय इतना जटिल है कि इसमें परेशान परिवार के पास कई बार कोई रास्ता नहीं बचता।

पहले भी आ चुके लोग...

✻ जुलाई 2024 में गांव चांगली से एक व्यक्ति बडे अस्पताल में 15 साल पहले पत्नी की मौत के बाद उसकी आत्मा लेने आया। उसने और स्वजन ने बडे अस्पताल के गेट के समीप पेड के नीचे तंत्र-मंत्र किया और चले गए।

✻ मई 2019 में राजस्थान के झालावाड जिले के गांव अनावदा का परिवार घर के सदस्य की आत्मा लेने पहुंचा। जिसकी मौत आठ साल पहले हो चुकी थी। सडक हादसे के बाद उसने अस्पताल में दम तोडा था।

✻ 2018 में कुंडालिया जिला नीमच निवासी एक परिवार आत्मा लेने पहुंचा। जिसमें भी मृतक की मौत बडे अस्पताल में हुई थी। परिवार जलती हुई ज्योत लेकर जीप से घर के लिए निकल गए।

महीनों बाद घर लौटे युवक ने जहर खाकर दी जान

सुसाइड नोट में युवती के माता-पिता और अन्य पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

मनासा, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के आनंदीपुरा गांव में एक 26 वर्षीय युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। युवक का नाम कमलेश मेघवाल था। वह 10 महीने बाद घर लौटा था। मृतक के बडे भाई हरीश के मुताबिक कमलेश उसका छोटा भाई था। उसने कोर्ट मैरिज की थी। रविवार रात 09 से 10 बजे के बीच वह घर आया था। उसने 10-15 मिनट हमसे बात की। उसके साथ जो घटना हुई है, वह हमें बताया। कुछ देर बाद उसका जी घबराने लगा। उसने कहा- मुझे थोड़ा पानी पिला दो। पानी पिलाने के बाद उसका जी घबराया। उसने उल्टी की। इसके बाद उसे मनासा अस्पताल ले गए। उसने सल्फास की गोली खा रखी थी। मनासा से उसे नीमच के बडे अस्पताल रेफर कर दिया गया। नीमच में 10 मिनट बाद उसकी मौत हो गई। उसने एक डायरी में सुसाइड नोट लिखा है। उसने एक लड़की के मां-बाप को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। जहां काम कर रहा था, उसे जिम्मेदार ठहराया है। 09-10 महीने वह कहां था। हमें नहीं पता, क्योंकि उसने इस बीच कोई संपर्क नहीं किया। वहीं थाना प्रभारी राधेश्याम डांगी ने बताया कि मृतक के पास सुसाइड नोट मिला है। उसकी जांच की जा रही है। अभी परिजनों के बयान नहीं हुए हैं।

मृत ऊंट को देख रहे थे दो दोस्त...

कार ने टक्कर मारी, एक की मौत

रतलाम, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। मरे ऊंट को देखने सड़क पर खड़े दो दोस्तों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, दूसरा गंभीर है। उसे उपचार के लिए इंदौर रेफर किया गया। हालांकि, परिजन वडोदरा ले गए। दुर्घटना रतलाम के नामली फोरलेन पर रविवार रात हुई। टक्कर के बाद कार पलटकर डिवाइडर पर चढ़ गई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, एयरबैग खुलने से कार सवारों की जान बच गई। वे मौके से भाग निकले। एमपी 43 सीबी 2261 नंबर की कार रतलाम के रामगढ़ निवासी जितेंद्र पिता अशोक कुमार राठौर के नाम पर रजिस्टर्ड है।

पुलिस ने बताया कि नामली फोरलेन ब्रिज के पास पंचेड़ फंटे से पहले सड़क पर एक ऊंट का शव पड़ा था। उसके आसपास बैरिकेड लगे थे। नामली के पल्दूना गांव निवासी बबलू जायसवाल और घटवास निवासी विक्रम जाट ऊंट को देखने उसके पास पहुंचे। इसी दौरान रतलाम की तरफ से आई कार ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना मिलते ही नामली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों को रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने विक्रम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, बबलू को इंदौर रेफर किया।

अवैध उत्खनन पर रखेंगे आसमान से भी नजर

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में जल्द ही रेत सहित कई तरह के खनन पर तकनीक की मदद से नजर रखी जाएगी। इसके लिए खनिज विभाग ने 07 हजार 500 से अधिक खदानों की जियो टैगिंग कर दी है। कहीं भी स्वीकृत खनन क्षेत्र से आगे जाकर खुदाई हुई तो सैटेलाइट इमेज की मदद से अलर्ट जारी होगा, जो खनन विभाग और जिला प्रशासन को मिल जाएगा। खनिज विभाग ने सिस्टम तैयार कर लिया है और इसे जल्द लॉन्च किया जाएगा। पूरा सिस्टम सैटेलाइट इमेज और रिमोट सेंसिंग तकनीक पर काम करेगा। जियो टैगिंग होने से खनन क्षेत्र स्पष्टतौर पर सैटेलाइट इमेज में दिखाई देगा। नियमित अंतराल पर सैटेलाइट इमेज देखकर कंट्रोल रूम में समीक्षा होगी। इस सिस्टम में खनन क्षेत्र की 500 मीटर परिधि में कोई भी असामान्य गतिविधि ट्रैप हो जाएगी। साथ ही रेत जैसे खनिजों के मामले में भंडार पर नजर रखी जाएगी। देखा जाएगा कि जितनी ईटीपी जारी हुई है, उसी के अनुपात में रेत की निकासी भंडार से हुई है या नहीं।

ऐसे जारी होगा अलर्ट...

इस सिस्टम में जैसे ही डेटा कंट्रोल रूम पहुंचेगा, उसका एक्सपर्ट एनालिसिस करेंगे। गड़बड़ी मिलने पर अलर्ट जेनरेट होगा, जो जिले के खनिज अधिकारी और कलेक्टर को जाएगा। अमला मौके पर जाकर जांच कर मुख्यालय को रिपोर्ट देगा। मौके पर ही बड़ी गड़बड़ी मिलने पर अधिकारी ऐप की सहायता से प्रकरण दर्ज कर सकेंगे। विभाग इस बात की तैयारी कर रहा है कि खदान तक ऑनलाइन निगरानी तंत्र विकसित हो।

परिवहन की निगरानी भी...

जिस तरह से खनन की निगरानी ऑनलाइन होगी, उसी तरह तकनीक आधारित मानव रहित 41 चेक गेट्स अधिक खनन वाले जिलों में स्थापित हो रहे हैं। खनन वाहन गुजरते ही इनमें लगे सीसीटीवी कैमरे वाहन में लदे खनिज को पहचानेंगे और रजिस्ट्रेशन नंबर को कंट्रोल रूम भेजेंगे। इससे तय होगा कि यह खनिज परिवहन वाहन है या नहीं और इस नंबर पर ईटीपी जारी हुई है या नहीं।

सात सीएम राइज स्कूलों पर 190 करोड़ खर्च

✻ 277 सरकारी स्कूलों के लिए पांच करोड़ भी नहीं..! ✻ सीएम राइज के बाद सरकारी स्कूलों को भूली सरकार..?

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। हाल ही में एमपी बोर्ड के रिजल्ट में सरकारी स्कूलों के बच्चों ने निजी स्कूलों के बच्चों को पीछे छोड़ दिया। कहीं न कहीं थोड़े से धरातल पर सकारात्मक प्रयास किए जाए तो सरकारी स्कूल निजी स्कूलों की दुकानदारी बंद कर सकते हैं। लेकिन, सरकार की रणनीति और योजना देखकर ऐसा कुछ लग नहीं रहा। मामला है सीएम राइज स्कूल और सरकारी स्कूलों का। दोनों ही सरकार के हैं। लेकिन, सीएम राइज के बाद मानो पुराने सरकारी स्कूलों को सरकार भूल ही गई। सरकार व शिक्षा विभाग ने अब तक जिले के 07 सांदीपनी सीएम राइज स्कूलों पर 190 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यहां बेहतरीन शिक्षा देने के दावे हैं। लेकिन, विभाग ने 02 साल से प्रावि व मावि स्कूलों की सुध नहीं ली। 277 स्कूलों की मरम्मत के लिए 5 करोड़ रुपए भी स्वीकृत नहीं किए। इन स्कूलों में करीब 12 हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं। यहां कभी भी हादसा हो सकता है। कुछ स्कूल तो ऐसे हैं, जहां आए दिन मलबा गिरता है। बारिश में लगभग इन सभी स्कूल भवनों से पानी टपकता है। मासूम विद्यार्थियों की जान को खतरा होने के बावजूद जिम्मेदार लापरवाह हैं।

सवा पांच करोड़ रुपए की जरुरत...

जिला शिक्षा केंद्र ने पिछले साल की शुरुआत में ऐसे स्कूलों की सूची बनाई थी। जहां मरम्मत की सख्त जरूरत है। इसके लिए 5 करोड़ 35 लाख रुपए की मांग की थी। सिर्फ कुछ को राशि स्वीकृत हुई थी। बाकि अब तक पेंडिंग हैं। जिले के सीतामऊ, गरोठ, मल्हारगढ़ ब्लॉक में ऐसे सैकड़ों स्कूलों में मासूमों की पढ़ाई के लिए कोई व्यवस्थित भवन नहीं है। इधर जिले में अब तक 07 सीएम राइज स्कूल पर करोड़ों खर्च किए जा चुके हैं। इनमें कोई 34 करोड़ तो कोई 32 करोड़ रुपए से बना है। हर स्कूल में औसत 1500 से 1600 विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे। बता दें कि जिले में 05 सांदीपनी स्कूलों का लोकार्पण हो चुका, वहीं दो निर्माणाधीन हैं।

एक नजर सरकारी स्कूलों पर...

कई सरकारी स्कूलों में बिजली कनेक्शन ही नहीं है। अंधेरे के साथ गर्मी में बैठकर पढ़ाई करना मजबूरी हो गई है। अनेक सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। विशेषकर विषय विशेषज्ञ नहीं होने से बच्चों का नुकसान हो रहा है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अतिक्रमण जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रहती है। कई सरकारी स्कूलों में खेल मैदान ही नहीं है। ऐसे में जहां निजी स्कूलों में खेल प्रतिभाओं को अवसर मिल रहे हैं। वह सरकारी स्कूल में नहीं मिल पाते। कई सरकारी स्कूलों में हाईस्कूल और हा.से. में प्रयोगशाला की व्यवस्था ही नहीं है। बिना प्रयोग किए ही बच्चे पास हो रहे हैं। बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों में लाईब्रेरी की व्यवस्था नहीं है।

अफीम डोडे बेचने पर हिस्सा मांगा तो भाई को पीटा

पिपलियामंडी, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। अफीम डोडे बेचने के बाद हिस्से के रुपए लेने गया तो भाई को पीटा। पुलिस ने केस दर्ज किया। खेड़ा निवासी प्रहलाद बंजारा ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पिता रुघनाथजी के नाम से सीपीएस पद्धति का अफीम पट्टा है, जिसे मैंने व मेरे भाई मोहन ने मिलकर बोया था। मोहन डोडों को नारकोटिक्स गोदाम पर बेचकर आ गया। मैंने मेरे हिस्से के रुपए मांगे तो उसने गाली-गलौज की व मारपीट कर ईंट से हाथ पर मारी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने आरोपी मोहन के खिलाफ केस दर्ज किया।

सोमवार को भी मौसम जस का तस...

दोपहर में तेज धूप, शाम को बारिश

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को भी मौसम रविवार के समान ही जस का तस रहा। हालांकि, दिनभर सूरज अपनी गरमी बरपाता रहा। लेकिन, शाम को फिर बादल छाए और कुछ समय के लिए बारिश भी हुई। जिससे गर्मी से राहत मिली। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और टर्फ का असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। इस वजह से प्रदेश में तेज आंधी और बारिश का दौर है। सोमवार को भोपाल, मंदसौर, शहडोल, खरगोन, अशोकनगर में तेज आंधी चली और बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहेगा। प्रदेश के 45 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश भी हो सकती है, जबकि, जबलपुर, उज्जैन संभाग में आंधी चलने की संभावना है। आंधी की रफ्तार 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

पासपोर्ट के लिये अब नहीं लगाने पड़ेंगे कार्यालय के चक्कर

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में अब पासपोर्ट बनवाने के लिए लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। इसके लिये प्रदेश में मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा शुरू की जा रही है। इस चलती फिरती वैन में दस्तावेज जांचने से लेकर बॉयोमेट्रिक स्कैनिंग की सुविधा दी जाएगी। ऐसे में अब आवेदक को पासपोर्ट सेवा केंद्र का चक्कर लगाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। मध्य प्रदेश में विदेश मंत्रालय की ओर से मोबाइल पासपोर्ट वैन सेवा शुरू की जा रही है। इससे प्रदेश में अब पासपोर्ट आवेदन की प्रक्रिया और भी आसान हो जाएगी। बता दें कि, फिलहाल ये सुविधा उन शहरों में दी जाएगी, जहां अभी पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र नहीं है।

इन सुविधाओं से लेस होगी मोबाइल वैन...

मोबाइल वैन में कई सुविधाएं मिलेंगी। जिनमें फिंगर प्रिंट और बायोमेट्रिक स्कैनिंग, दस्तावेज सत्यापन, फोटो खींचने की सुविधा शामिल है। यह वैन पूरी तरह से तकनीकी रूप से सक्षम होगी और एक चलता-फिरता पासपोर्ट कार्यालय जैसा काम करेगी।

पहले करना होगा स्लॉट बुक...

इस वैन के जरिए पासपोर्ट बनाने वाले आवेदकों को सबसे पहले वेब साइट पर स्लॉट बुक करना होगा। इसके बाद वैन विकल्प का चुनाव करना होगा। निर्धारित समय पर वैन संबंधित क्षेत्र में पहुंचेगी और सभी प्रक्रिया वहीं पूरी की जाएगी।

प्रथम पुण्य स्मरण

परम श्रद्धेय पूज्य **स्व. श्रीमती ऊँगमदेवी झंवर**

धर्मपत्नि-स्व. श्री बद्रीलालजी झंवर (जावद वाले)

(स्वर्गवास-13 मई 2024)

आपके उच्च आदर्श, जीवन दर्शन के संकल्प और हम सभी के प्रति अगाध स्नेहमयी उष्मता हमें प्रेरित करती रहेगी। हम आपके सुदृढ़, दयालु एवं सरल विचार के साथ आपके सपने साकार करने को कृत संकल्प है।

आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारजन श्रद्धासुमन अर्पित करते है।

✻✻✻✻ श्रद्धावनत ✻✻✻✻

◆ राधेश्याम – गीता, जगदीश– रेखा, सुनील–संध्या (पुत्र–पुत्र वधु), चन्द्रेश – मेघना (पौत्र– पौत्रवधु), आकाश–कृतिका (पौत्र– पौत्रवधु), पलाश, प्रतीक (पौत्र), कार्तिक (प्रपौत्र) एवं समस्त झंवर परिवार

◆ सुनीता– सुनील बाहेती, अनिता– नितिन काबरा (पुत्री व दामाद), ज्योति– मंगल काबरा विद्या– आशीष चिचानी (पौत्री व दामाद), मयंक – मयुरी बाहेती, केशव, माधव, अवि, शिवांस (दोयता), पलक–शुभम, सिया, सोमिया (दोयती)

✻✻ फर्म ✻✻

◆ जगदीश टी डिपो
◆ झंवर इंटरप्राईजेस
◆ विनस कम्प्यूटर्स,
◆ झंवर मेडिकोज
◆ शिव शक्ति मेडिकल

मन्दसौर

पीएम मोदी बोले-पानी और खून एक साथ नहीं बहेगा

न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं सहेंगे; पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ स्थगित, हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

नईदिल्ली, 12 मई। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे बाद पीएम मोदी ने सोमवार रात 8 बजे देश को संबोधित किया। अपने 22 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, सीजफायर, आतंकवाद, सिंधु जल समझौते और झधि पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन आतंकियों ने हमारी मां-बहनों का सिंदूर मिटाया, हमने उन्हें मिटा दिया। हमारे ऑपरेशन में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे। हम पाकिस्तान से आतंकवाद और पीओके पर ही बात करेंगे।

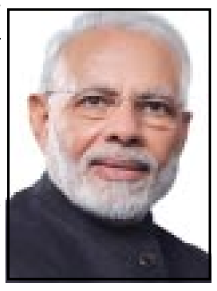

आतंकवादियों की बर्बरता ने दुनिया को झकझोर दिया–22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने जो बर्बरता दिखाई थी, उसने देश और दुनिया को झकझोर दिया था। छुट्टियां मना रहे निर्दोष मासूमों को उनके परिवार के सामने, बच्चों के सामने बेरहमी से मार डालना ये आतंक का बहुत वीभत्स चेहरा है। यह देश के सद्भाव को तोड़ने की घिनौनी कोशिश भी थी। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से ये पीड़ा बहुत बड़ी थी। इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र हर नागरिक हर समाज हर वर्ग हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ।

आतंकी जान चुके हैं, बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम–हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए भारत की सेनाओं को पूरी छूट दे दी। आज हर आतंकी और आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं, देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात और 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, ट्रेनिंग सेंटर पर सटीक प्रहार किया। आतंकवादियों ने सपने में भी नहीं सोचा था कि भारत इतना बड़ा फैसला ले सकता है। जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला बोला, भारत के ड्रोंस ने हमला बोला तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, हौसला भी थर्रा गया।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में तीन लकीरें खींच दी हैं- ✻ पहला: आतंकी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। अपने तरीके से अपनी शर्तों पर जवाब देकर रहेंगे, हर उस जगह जाकर कठोर कार्रवाई करेंगे, जहां से आतंकी जड़ें निकलती हैं। ✻ दूसरा: कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा। उसकी आड़ में पनप रहे आतंकी ठिकानों पर भारत सटीक और निर्णायक प्रहार करेगा। ✻ तीसरा: हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने पाकिस्तान का घिनौना सच देखा है जब मारे गए आतंकियों को विदाई देना पाकिस्तानी सेना के बड़े-बड़े अफसर उमड़ पड़े। स्टेट स्पॉन्सर... **शेष 4 पर**

विचार-मंथन

कितने खतरनाक हैं तुर्की के असिसगार्ड सोंगर ड्रोन?

8 मई की रात भारत-पाकिस्तान सीमा पर कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। सीमा पार से करीब 300 से 400 ड्रोन भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने तुरंत हरकत में आते हुए इन्हें निशाना बनाया और बड़ा हमला विफल कर दिया। खास बात यह थी कि इन ड्रोन के मलबे की जब जांच की गई तो पता चला कि ये तुर्की में बने सोंगर सशस्त्र ड्रोन हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने इस्तेमाल किया था। यह खुलासा कर्नल सोफिया कुरैशी ने किया। उन्होंने बताया, लगभग 36 स्थानों पर ड्रोन से घुसपैठ की कोशिश हुई। ड्रोन का मलबा मिला है और उसकी फॉरेंसिक जांच जारी है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि ये तुर्की के असिसगार्ड सोंगर ड्रोन हैं।

भारतीय सेना ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और इन ड्रोन को गिराने के लिए 'गतिज' और 'गैर-गतिज' तरीकों का इस्तेमाल किया। इनमें से ज्यादातर ड्रोन लक्ष्यों को नुकसान पहुँचाने से पहले ही ढेर कर दिए गए। हालांकि, पाकिस्तान ने उसी रात बठिंडा के सैन्य स्टेशन को एक और सशस्त्र ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन वहां भी उन्हें कामयाबी नहीं मिली।

जब किसी खतरे, जैसे ड्रोन हमले का जवाब दिया जाता है, तो उसे दो तरीकों से रोका जा सकता है –काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक उपायों से। काइनेटिक उपाय मतलब होता है बल प्रयोग करना, जैसे गोली चलाना, मिसाइल दागना या बम से उसे मार गिराना। अगर कोई ड्रोन फिजिकल हमला करके गिराया गया, तो वह काइनेटिक तरीका कहलाएगा। दूसरी ओर, नॉन-काइनेटिक उपाय में सीधे हमला नहीं किया जाता, बल्कि तकनीकी तरीकों से जैसे सिग्नल जैम करना, जीपीएस गड़बड़ करना, या साइबर अटैक के जरिए ड्रोन को नियंत्रण से बाहर कर दिया जाता है। इस तरह के उपायों से बिना गोली चलाए भी ड्रोन को बेअसर किया जा सकता है। सोंगर तुर्की का पहला स्वदेशी सशस्त्र ड्रोन है, जिसे अंकारा स्थित रक्षा कंपनी असिसगार्ड ने बनाया है। यह ड्रोन विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों और असममित युद्ध के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे मानव रहित तरीके से दूर से संचालित किया जा सकता है और यह स्वायत्त रूप से भी काम कर सकता है। घातक हथियारों से लैस- सोंगर ड्रोन में स्वचालित मशीन गन, मिनी-मिसाइल या 81 मिमी मोर्टार राउंड लगाए जा सकते हैं। इससे यह मानव, वाहन या हल्के किले जैसे लक्ष्यों को तबाह कर सकता है। उड़ान की क्षमता- इसका अधिकतम वजन 45 किलोग्राम तक हो सकता है और यह बिना पेलोड के 25-30 मिनट तक उड़ सकता है। यह जमीन से 400 मीटर की ऊँचाई और समुद्र तल से 2,800 मीटर तक ऑपरेट कर सकता है। रीयल-टाइम निगरानी- इसमें इंफ्रारेड और डे-लाइट कैमरे लगे हैं जो दिन-रात निगरानी कर सकते हैं। यह ऑपरेटर को लाइव वीडियो और टेलीमेट्री डेटा भेजता है, जिससे मिशन के दौरान ही निर्णय लिए जा सकते हैं। स्वायत्त संचालन- अगर ड्रोन कनेक्शन खो देता है या बैटरी खत्म होने लगती है, तो यह अपने आप बेस पर लौट आता है। इससे ऑपरेटर का बोझ कम होता है और मिशन की सफलता की संभावना बढ़ती है। समूह हमला -सोंगर ड्रोन एक साथ कई दिशाओं से हमला कर सकते हैं। 8 मई की रात पाकिस्तान ने इसी रणनीति का इस्तेमाल किया, ताकि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था को चकमा दिया जा सके।तुर्की के इन आधुनिक ड्रोन का पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल करना दर्शाता है कि अब पारंपरिक लड़ाई की बजाय तकनीकी युद्ध का दौर शुरू हो गया है। सोंगर जैसे ड्रोन आधुनिक युद्ध में एक 'गेमचेंजर' हो सकते हैं। इनकी संख्या, मारक क्षमता और समूह में हमला करने की रणनीति से यह साफ है कि भारत को अब ड्रोन युद्ध के लिए खुद को और मजबूत करना होगा। सौभाग्य से भारत के पास पहले से ही मजबूत वायु रक्षा प्रणाली है, जिसमें आकाश मिसाइल, एमआरएसएएम, और एस-400 जैसे सिस्टम शामिल हैं।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने महिलाओं में जगाई उम्मीद की किरण

योगेंद्र योगी

पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या करने के बदले में भारत की पाकिस्तान पर स्ट्राइक की सफलता की जानकारी देने वाली भारतीय सुरक्षा बलों की दो महिला सैन्य अधिकारियों ने देश में महिलाओं के विपरीत हालात के बीच महिला सशिक्तकरण का सशक्त उदाहरण पेश किया है। देश भर में चर्चित लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया क़ुरैशी और वायु सेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने साबित कर दिया कि महिलाएं अदम्य साहस के साथ किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। निश्चित तौर पर युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने जिस शानदार तरीके से स्ट्राइक का विवरण पेश किया, उससे न सिर्फ महिलाओं में उत्साह का संचार होगा बल्कि हर मुश्किल हालात से निपटने के लिए साहस का उद्गम होगा।

पुणे में साल 2016 में आसियान प्लस देशों का बहुराष्ट्रीय फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास फोर्स 18 में 40 सैनिकों की भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व सिग्नल कोर की महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया क़ुरैशी ने किया था। क़ुरैशी को बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनने का दुर्लभ गौरव हासिल हुआ। गुजरात निवासी सैन्य परिवार से आने वाली सोफिया क़ुरैशी साल 1999 में 17 साल की उम्र में शॉर्ट सर्विस कमीशन के जरिए भारतीय सेना में आई थीं। उन्होंने छह साल तक संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में भी काम किया। इसमें साल 2006 में कॉन्गो में एक उल्लेखनीय कार्यकाल शामिल है। उस वक्त उनकी प्रमुख भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान देने की थी। सोफिया क़ुरैशी के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी की ब्रीफिंग देने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह दूसरी चर्चित अधिकारी थीं। व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। उनके नाम का मतलब ही आसमान से जोडने वाला है। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट रही व्योमिका सिंह ने इंजीनियरिंग की। उन्हें साल 2019 में भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ब्रांच में पायलट के तौर पर परमानेंट कमीशन मिला। व्योमिका सिंह ने 2500 घंटों से ज्यादा उड़ान भरी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में मुश्किल हालात में चेतक और चीता जैसे हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं। उन्होंने कई बचाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक ऑपरेशन अरुणाचल प्रदेश में नवंबर 2020 हुआ था। इन दोनों महिला सैन्य अधिकारियों ने जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा पेश कि वह न सिर्फ देशवासियों के दिल-दिमाग में अमिट रहेगी बल्कि तमाम बाधाओं के बावजूद महिलाओं में आगे बढ़ने की ललक कायम रखेगी। इनके जज्बे ने साबित कर दिया कि महिलाएं देश में हर क्षेत्र में तरक्की का परचम लहरा रही हैं, चाहे वह क्षेत्र सैन्य जैसा चुनौतीपूर्ण और साहसिक क्षेत्र ही क्यों न हो। देश में महिला सशिक्तकरण की दिशा में इन दोनों महिलाओं का प्रदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। महिलाओं के सपने पूरा करने में मदद करेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का अग्रणी प्रदर्शन विकसित बनने की दिशा में अग्रसर भारत की नई तस्वीर पेश करता है। सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह जैसी देश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलओं की सफलता की प्रेरणा के बावजूद देश की आम महिलाओं के लिए अभी भी मंजिल आसान नहीं है। भारत में पितृसत्तात्मक मानसिकता और लैंगिक असमानता के चलते महिलाओं को विरोधाभासी भूमिकाएँ निभाने के लिए मजबूर किया जाता है। महिलाओं की ताकत को यह सुनिश्चित करने के लिए उभारा जाता है कि वे बेटियों, माताओं, पत्नियों और बहू के रूप में पालन-पोषण करने वाली अपनी पारंपरिक भूमिकाएँ प्रभावी ढंग से निभाएँ। दूसरी ओर, एक «कमज़ोर और असहाय महिला» की रूढ़िवादिता को बढ़ावा दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे अपने पुरुष समकक्ष पर पूरी तरह से निर्भर हैं।

भारत में लैंगिक असमानता महिलाओं की वर्तमान स्थिति प्रगति और चल रही चुनौतियों के जटिल अंतर्संबंध से जुड़ी है। लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई हैं। हालाँकि, गहराई से जड़ जमाए हुए सामाजिक मानदंड, आर्थिक असमानताएँ और राजनीतिक चुनौतियाँ यह दर्शाती है कि भारत में लैंगिक असमानता अभी भी मौजूद है। विडंबना यह है कि हमारे भारतीय समाज में जहाँ महिलाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है, महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है और उन्हें समान अवसर से वंचित रखा जाता है।

भारत में लैंगिक असमानता अंतर रिपोर्ट, 2023 के अनुसार, लिंग समानता के मामले में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार, भारत में कुल लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएँ हैं। हालाँकि, जन्म के समय लिंग अनुपात 929 पर कम बना हुआ है, जो जन्म के समय लिंग चयन जारी रहने का संकेत देता है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल मातृ मृत्यु दर रिपोर्ट (एमएमआर) के अनुसार, 2018-20 की अवधि के लिए भारत की एमएमआर 97 प्रति लाख जीवित जन्म है। एनएफएचएस-5 के अनुसार 15-49 वर्ष की आयु की 18.7 प्रतिशत महिलाएँ कम वजन की हैं। 15-49 वर्ष की आयु की 21.2 प्रतिशत महिलाएं अविकसित हैं और 15-49 वर्ष की आयु की लगभग 53 प्रतिशत महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार 20-24 वर्ष की आयु की 23.3 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष की आयु से पहले विवाहित या विवाहित थीं। एनएफएचएस-5 (2019-21) की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों की साक्षरता दर 84.7 प्रतिशत की तुलना में महिलाओं की साक्षरता दर 70.3 प्रतिशत है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की लिंग आधारित हिंसा «भारत में अपराध» 2021 की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। भारत में लिंगों के बीच वेतन अंतर दुनिया में सबसे ज्यादा है। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2021 के अनुसार, भारत में महिलाओं को औसतन पुरुषों की तुलना में 21 प्रतिशत वेतन मिलता है। पीएलएफएस रिपोर्ट के अनुसार 2021-22 में कामकाजी आयु (15 वर्ष और उससे अधिक) की केवल 32.8 प्रतिशत महिलाएं ही श्रम बल में थीं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार भारत में महिलाओं का 81.8 प्रतिशत रोजगार अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में केंद्रित है। यह दर्शाता है कि भारत में अधिकांश महिला श्रमिक उच्च वेतन वाली नौकरियों में नहीं आ पाती है।

बच्चों को खतरे में डालकर भी हमें डालर चाहिए!

क्षमा शर्मा

अपने देश में पिछले दिनों अवैध रूप से रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा जा रहा है। इनमें ऐसे-ऐसे लोग भी पाए गए, जो यहां रहे, पढ़े-लिखे। सालों तक नौकरी भी करते रहे, लेकिन थे वे पाकिस्तानी नागरिक। एक ओर कहा जाता है कि भारत मुसलमानों के लिए सुरक्षित नहीं है, तो दूसरी तरफ ये लोग भारत से जाना ही नहीं चाहते थे। भारत में लगातार बांग्लादेशियों की संख्या बढ़ती जा रही है। बहुत से घुसपैठिए भारत में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण, सारे वैध कागजात बनवा लेते हैं। सारी सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाते हैं। जब भी इन्हें हटाने की बात होती है, तो तरह-तरह की अड़चनें डाल दी जाती हैं। जहां से आए हैं, वे देश इन्हें लेने को तैयार भी नहीं होते। हो भी क्यों, इनके पास यहां के सारे वैध कागजात जो होते हैं। फिर मानव अधिकार वादी समूह भी सक्रिय हो जाते हैं। एक बार, एक बड़े अखबार ने लिखा था कि सीमाओं पर अवैध रूप से घुसना, एक मुर्गे या शराब की बोतल से भी संभव है। खैर, सच जो भी हो, अपने देश में यह समस्या सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती जा रही है। लेकिन अवैध घुसपैठियों की समस्या सिर्फ भारत में ही नहीं है। यूरोप के बहुत से देश और अमरीका तथा अमरीका की राजनीति भी इससे बुरी तरह प्रभावित है। डोनाल्ड ट्रम्प की चुनावी मुहिम में अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के वायदे ने, उन्हें सत्ता सौंपने में प्रमुख भूमिका निभाई। दुनिया के बहुत से लोग अमरीका जाना चाहते हैं। कई साल पहले खबर थी कि दुनिया में 10 करोड़ लोग अमरीका जाना ही नहीं चाहते बल्कि वहां बसना भी चाहते हैं। इसके लिए कानून भी ताक पर रखना पड़े, तो चलेगा। भारत में भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है। उन्हें लगता है कि अगर किसी तरह एक बार अमरीका पहुंच जाएं, तो उनके जीवन की सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। डालर बरसने लगेंगे जबकि वास्तव में ऐसा है नहीं। पिछले दिनों अमरीका से आई एक रिपोर्ट पढ़ रही थी। इसमें बताया गया था कि भारतीय माता-पिता अपने छोटे बच्चों और किशोरों को अमरीका-मैक्सिको बार्डर या अमरीका-कनाडा बार्डर पर अकेला छोड़ देते हैं। इनकी उम्र 6 साल से 17 साल की होती है। इनके पास जरूरत का कुछ सामान और एक पर्ची होती है। इसमें इनका नाम और माता-पिता का फोन नम्बर लिखा होता है। बच्चों को इस तरह की परिस्थिति में बिल्कुल अकेला छोड़ने का काम वे माता-पिता कर रहे हैं, जो खुद भी अमरीका में अवैध रूप से रह रहे हैं। उन्हें लगता है कि मानव अधिकार के कारण अमरीका में इन बच्चों को आने दिया जाएगा। उन्हें उनके माता-पिता के पास भेजा जाएगा। वहां के कानूनों के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुफ्त मिलेंगी। उन्हें 6-8 महीने में ही ग्रीन कार्ड मिल जाएगा और अंततः माता-पिता को ग्रीन कार्ड और नागरिकता भी मिल जाएगी। अमरीकी अधिकारियों का कहना है कि जो लोग इन बच्चों को सीमाओं पर अकेला छोड़ते हैं, वे इन्हें अपना ग्रीन कार्ड मानते हैं। वे नहीं जानते कि जब इन बच्चों को किसी अनजान जगह और कठिन मौसम में छोड़ा जाता है, तो वे कितने डर और असुरक्षा से गुजरते हैं।

यह लगातार बढ़ता जा रहा है। कोरोना में चूंकि आना-जाना बंद हो गया था, तो इनकी संख्या घट गई थी। यू.एस. कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन की रिपोर्ट में बताया गया था कि अक्तूबर 24 से इस साल के फरवरी माह तक ऐसे 77 बच्चे पाए गए थे। 2022 में 409, 2023 में 730 , 2024 में 517 भारतीय अकेले बच्चे अमरीकी सीमाओं पर मिले। यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। अमरीका में 2019 से अवैध रूप से रहने वाले एक दम्पति ने बताया कि वे अपने बच्चे को भारत में ही छोड़ आए थे। तब वह मात्र दो साल का था। ये लोग जब खुद ही अवैध थे, तो अपने बच्चे को कैसे बुलाते। फिर कोरोना में सब कुछ रुक गया था। इस दम्पति के पुरुष ने बताया कि 2022 में उसका चचेरा भाई भी अवैध रूप से अमरीका आ रहा था। अब तक बेटा 5 साल का हो चुका था। मैंने उससे कहा कि मेरे बेटे को भी साथ ले आए और अमरीका की सीमा पर बताए गए स्थान पर छोड़ दे। बच्चे के पास पिता का फोन नम्बर भी लिखकर रख दे। भाई ने ऐसा ही किया। अधिकारियों ने बच्चे के पिता को ढूंढ निकाला और बच्चा उन्हें मिल गया। यह सब इसलिए हो रहा है कि अमरीका में उदारता है। वहां का लोकतंत्र और कानून बच्चों को अकेला छोड़ने और विपरीत परिस्थितियों में रहने की इजाजत नहीं देता। अमरीकी अधिकारियों का कहना है कि वहां की सरकार को माता-पिता द्वारा ही अपने बच्चों के इस तरह के शोषण के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। ट्रम्प के आने के बाद समझा जा रहा है कि अमरीका में अवैध प्रवासियों का आना और अपने बच्चों को इस तरह से अकेला छोड़ना, निश्चित रूप से कम हो जाएगा। क्या होता है, यह तो वक्त ही बताएगा। मगर अपने यहां अवैध रूप से रहने वालों और सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई कब होगी।

युवाओं के नाम रहेगा आईपीएल-2025, वैभव सूर्यवंशी ने जीता सभी का दिल

आईपीएल को भारत-तनाव के चलते स्थगित कर दिया गयाष गुजरात के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने चौकों और छक्कों की ऐसी झड़ी लगाई कि सब देखते ही रह गए। गुजरात टीम का कोई भी गेंदबाज उस पर अंकुश नहीं लगा पाया। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान समेत सभी गेंदबाज बौने नजर आ रहे थे। उसके बल्ले से 11 छक्के और 7 चौके निकले। इस बार के आईपीएल में कई युवा अपना परचम लहरा रहे हैं। जहां 43 साल के महेंद्र सिंह धोनी हैं तो वहीं 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वह नए भारत की सनसनी है। उसे चहुंओर सराहना मिल रही है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में वैभव राजस्थान रायल्स की ओर से खेल रहे हैं। 28 अप्रैल को जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव ने ऐसी धुंआधार पारी खेली कि सबकी आंखे खुली रह गई। 35 गेंदों में उसने शतक जड़ दिया। टीभोपाल, शुक्रवार, 16 मई 202520 फार्मेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने का यह नया रिकॉर्ड है। इससे पहले राजस्थान टीम के ही यूसुफ पठान ने 15 साल पहले 37 गेंद में शतक लगाया था। उस समय वैभव का जन्म भी नहीं हुआ था। बिहार के समस्तीपुर से आने वाले वैभव सूर्यवंशी को देश का नया सितारा कहा जाने लगा है। उसे अपने पहले मैच के लिए काफी इंतजार करना पड़ा। आईपीएल 2025 में 19 अप्रैल को जब उसने अपने पहले मैच में पहली गेंद का सामना करते हुए छक्का लगाया था तभी से उसकी निडर बल्लेबाजी की तारीफ होने लगी। वैभव के सामने गेंदबाज थे शार्दुल ठाकुर जो भारतीय टीम की ओर से भी खेल चुके हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यह उसका डेब्यू मैच था। उसने 20 गेंद में 34 रन बनाए थे। वैभव की इस छोटी सी पारी ने सबका मन मोह लिया। यहां तक कि विपक्षी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने भी उसे दुलारते हुए उसकी सराहना की। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर यह मैच 2 रन से हार गई। यह मुकाबला बड़ा रोमांचक था। मगर, गुजरात के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने चौकों और छक्कों की ऐसी झड़ी लगाई कि सब देखते ही रह गए। गुजरात टीम का कोई भी गेंदबाज उस पर अंकुश नहीं लगा पाया। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान समेत सभी गेंदबाज बौने नजर आ रहे थे। उसके बल्ले से 11 छक्के और 7 चौके निकले। आप सोच सकते हैं कि बिहार के इस किशोर ने कितनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की होगी। जब उसका शतक पूरा हुआ तो पूरा ड्रेसिंग रूम उसके सम्मान में खड़ा हो गया। राजस्थान टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी उछल पड़े। सभी साथी खड़े होकर उसे बधाई दे रहे थे। पूरा सवाई मान सिंह स्टेडियम वैभव के शतक बनने पर झूम रहा था। सबसे बड़ी बात तो यह कि वैभव बाएं हाथ से बैटिंग करते हैं और यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि आईपीएल के माध्यम से आज कई युवा अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं। पंजाब टीम की ओर से खेल रहे युवा प्रियांश ने भी एक जबर्दस्त पारी से सबका दिल जीत लिया है। चेन्नई की टीम में आयुष म्हात्रे ने एक कमाल की पारी खेली है। केरल के युवा विग्नेश पुथुर ने मुंबई की ओर से खेलते हुए अपने पहले ही मैच में 32 रन देकर 3 विकेट झटक लिये। ये युवा ही देश का भविष्य हैं। इन्हें हम भारतीय टीम में देख सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष : ... सुभांक-2-6-8

वृषभ : ... सुभांक-4-6-8

मिथुन : ... सुभांक-5-7-8

कर्क : ... सुभांक-4-6-7

सिंह : ... सुभांक-2-3-6

कन्या : ... सुभांक-4-5-7

तुला : ... सुभांक-3-5-7

वृश्चिक : ... सुभांक-2-4-6

धनु : ... सुभांक-4-6-7

मकर : ... सुभांक-1-3-6

कुंभ : ... सुभांक-3-4-6

मीन : ... सुभांक-2-4-6

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5593

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5592

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5593

संकेत: बाएं से दाएं

ऊपर से नीचे

वर्ग पहेली 5592 का हल

की	लि	कि	वा		प	ला	उ
र		क्ष	म		स	मा	न
ती	स	र		कु	ली		
र्थ	क		तु	क		त	प
द	ते		म	रा	ठी		ह
क	र	वा		ज	क	रु	ना
र		र	फ		आ		ग
ना	रा	ज		म	ना	ली	

शिवना शुद्धिकरण सभी का सामूहिक दायित्व-विधायक

मंदसौर में शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान-12वें दिन 7 ट्रॉली गाद निकाली

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ के तट पर स्थित शिवना नदी के शुद्धिकरण अभियान ने 12वें दिन महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस दिन नदी से 7 ट्रॉली जलकुंभी व गाद निकाली गई, जिससे नदी का जल और अधिक स्वच्छ दिखाई देने लगा है।

यह अभियान 1 मई से विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ है, जिसमें नगर के नागरिक, सामाजिक संगठन, और स्वयंसेवक सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। विधायक जैन ने कहा, की सभी के सहयोग एवं प्रयास से शिवना नदी का जल साफ हो रहा है तथा जलकुंभी भी कम हो गई है। आपने कहा की शिवना शुद्धिकरण हमारा सामूहिक दायित्व है। हम सभी को मिलकर इसे स्वच्छ और निर्मल बनाना है। नदी की स्वच्छता के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और पवित्र नदी मिल सके। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने कहा कि शिवना नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए चलाया जा रहा यह अभियान स्थानीय समुदाय की जागरूकता और सहभागिता का प्रतीक बन गया है। सोमवार को श्रमदान करने हेतु विधायक श्री विपिन जैन, राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, तरूण खिंची, राजनारायण लाड़, विनोद शर्मा जवासिया, श्यामलाल पाटीदार सेमलिया हीरा, रामलाल माली बनी, भरत पाटीदार अमलावद, ईश्वरलाल पाटीदार सेमलिया हीरा, राजेश फरक्या, मनोहर नाहटा, सुनील बसेर, विश्वास दुबे, रमेश सिंगार, साबिर इलेक्ट्रीशियन, शैलेन्द्र गोस्वामी, राजेश चौधरी, अजय सोनी, कनिष्क सोनी, जीतु गुगर, रमेश ब्रिजवानी, सादिक गौरी, योगेन्द गौड़, राकेश सेन, आमिन खान, मिथुन कटारिया, गोपाल बंजारा, शिवशंकर सौलंकी, विजय आनंद, भेरूलाल बसेर, मोहनपुरी गोस्वामी, महिला नेत्री में इष्ट भाचावत, रफत पयामी, प्रमिला पंवार, सरोजसिंह सिसौदिया, प्रमिलासिंह, दीपाली पोरवाल, गीताली पोरवाल, शैली पोरवाल, अंशिका उपाध्याय, लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड के सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, संजय पारिख, विजय पलोड़, रामगोपाल गुप्ता, राजकुमार पारिख, विनोद उकावत, सुदीप दास, समाजसेवी डॉ. किशोरसिंह सिसौदिया, मनीष भावसार, आस्था भावसार, सुधांशु भावसार, रमेश सोनी, अभिषेक तिवारी, अमृत सौलंकी, मनोज जैसवार, हेमंत जैसवार, बालकृष्ण पोरवाल, आशा पोरवाल, रामगोपाल गुप्ता, रामचन्द्र मालवीय रिटायर्ड टीआई, एम्ब्रोज वाल्टर, गांव धमनार से आये डॉ. सोहनलाल धाकड़, हरिशंकर धाकड़, दुर्गालाल धाकड़, ललित धाकड़, विकास धाकड़, पंकज धाकड़, राजकुमार धाकड़, ललित पटेल, बड़वन गांव से यशवंत भावसार सहित बड़ी संख्या में श्रमदानियों ने भाग लिया।

योग में भी युवा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं-देवड़ा

तीस दिवसीय ग्रीष्मकालीन एडवांस योग प्रशिक्षण का शुभारंभ

दलौदा, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर म.प्र.खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा एवं मंदसौर योगासन स्पोटर्स एसोसिएशन के सहयोग से 30 दिवसीय ग्रीष्मकालीन एडवांस योग प्रशिक्षण का आरंभ दलोदा के शासकीय मांगलिक भवन वेद योगा सेंटर पर हुआ।

बच्चों ने मंत्र उच्चारण के साथ योगासन अभ्यास आरंभ किया जिसमें कार्यक्रम प्रभारी योग प्रशिक्षक महेश कुमावत द्वारा बच्चों को शशकासन, अर्धहलासन, दंडासन, पश्चिमोत्तानासान, पादस्थासन, ताड़ासन, मकरासन, चक्रासन, पाडांगुष्ठसन, और प्राणायाम भी करवाया। व दिनचर्या सुधारने पर भी जोर दिया और बताया कि योगासन मात्र प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। एक महीने में बच्चों को कई योग की विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा उल्लेखनीय की आजकल की इस भाग दौड़ भरी मोबाइल की दुनिया में बच्चे तनाव, अनिद्रा, मोटापा, विकास ना होना आदि कहीं समस्याओं का सामना कर रहे हैं ऐसे में अगर बच्चे नियमित योग करने की आदत डालते हैं तो वह स्वस्थ भारत का हिस्सा बनेंगे। साथ ही बच्चे शारीरिक मानसिक और बौद्धिक तीनों स्तर पर स्वस्थ रहेंगे। प्रशिक्षण के दौरान खेल योग से लेकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का भी अभ्यास यहां करवाया जाएगा। जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने बताया की इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और सुदूर गांव के युवाओं को भी खेल के प्रति आकर्षित करना हे जिस प्रकार दूसरे खेल में बच्चे जिला स्तर से लेकर नेशनल और इंटरनेशनल तक खेलते हैं ऐसे हि योग भी ऐसा खेल बन चुका है जिसमें युवा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं समिति सदस्य मुकेश पाठक, डॉ मनीष व्यास, विकास चौधरी, विशाल पोरवाल आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बनाने हेतु विशेष शिविर 14 को जीरन में

नीमच, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों की समस्याओं के निराकरण के लिये विशेष शिविर का आयोजन वर्ष में दो बार किया जा रहा है। प्रथम चरण के सफल आयोजन के पश्चात द्वितीय चरण में शिविर का आयोजन जारी है। इसी कडी में 14 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जीरन में दिव्यांगजनों की सहायता हेतु शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में दिव्यांगजनों के दिव्यांगता की जाच की जाकर, उनके दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जाऐंगे। साथ ही उनकी स्वास्थ्य से जुडी समस्याओं का निराकरण भी किया जावेगा। साथ ही आवश्येकतानुसार रेल्वे में छुट हेतु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु भी पंजीयन किया जावेगा। डा.प्रसाद ने बताया, कि इस शिविर में आवश्यतकतानुसार रतलाम एवं मंदसौर के चिकित्सक भी उपस्थित रहेंगे। जिससे समस्त प्रकार की दिव्यांगता से संबन्धित प्रमाण पत्र बनाए जाऐंगे। डा.प्रसाद ने जिले के दिव्यांगजनों से शिविर का अधिक से अधिक संख्या मे लाभ लेने का अनुरोध किया है।

भौतिक सुख की लालसा में लोग हंसना भूल गए-रातड़िया

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। वरिष्ठसाहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि भौतिक सुख की लालसा में लोग हंसना भूल गए है। तनाव और अशांति में जी रहे लोग यदि इच्छाओं पर नियंत्रण कर ले और प्रकृति के साथ जीवन जीना सीख ले तो सुख प्राप्त कर सकते है। धनी और सुविधा सम्पन्न लोग सुखी हो यह जरूरी नहीं है किन्तु अभावग्रस्त किन्तु सहज सरल जीवन जीने वाले लोग जरूर सुखी है। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातड़िया ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने वृद्ध, बीमार और शवयात्रा देकर मनुष्यों को दुखों का बोध किया और इनसे मुक्ति का मार्ग खोजने के लिये सन्यास ग्रहण कर लिया। कठोर तपस्या उपरांत उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि इच्छा और तृष्णा दुख का मूल कारण है। सम्यक् दृष्टि, संकल्प, प्रयास और परिश्रम, ईमानदारी और समाधि सुख का मार्ग है। किसी अन्य के क्रियाकलापों से दुखी होना उचित नहीं है। मौन साधना से सब प्रश्नों का समाधान मिल जाता है। अपना दीपक स्वयं बनने की आवश्यकता है। आपने कहा कि जिन लोगों की दिनचर्या विवेकपूर्ण है वे सद्गुणी और संतुष्टहै। श्री प्रकाश दीक्षित, अभय कुमार जैन, सुरेश जैन, शांतिलाल सोनी, राजकुमार जसवंत, सुधीर पण्ड्या ने अपने विचार, गीत, भजन प्रस्तुत किये। श्री राजेन्द्र, महेश कानूनगो, गोपालकृष्ण सोमानी, ओमप्रकाश जायसवाल, निरंजन भारद्वाज, यशवंत प्रजापति, नरेन्द्र छाजेड़ ने आयोजन में सहभागिता की। आध्यात्मिक चेना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने गतिविधियों की जानकारी दी। आध्यात्मिक संवाद के संयोजक श्री रमेश ब्रिजवानी ने संचालन किया। आभार प्रदर्शन समन्वयक श्री प्रकाश कल्याणी ने किया। समाजसेवी श्री बाबूलाल जैन नगरीवाला के महाप्रयाण पर उनकी सेवाओं का उल्लेख किया गया व मौन श्रद्धांजलि दी गई।

दिनकर की कविता, रामचरित मानस की चौपाई, एशेज सीरीज का जिक्र...

डीजीएमओ ने पाकिस्तान को बताया-फिर तैयार है भारतीय सेना

नई दिल्ली, 12 मई। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर तीनों सेनाओं के डीजीएमओ ने सोमवार को मीडिया से बात की। सेना की प्रेस ब्रिफिंग से पहले रामधारी सिंह दिन की कविता 'जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है के जरिए प्रेजेंटेशन की शुरुआत की गई।

इस पर एक पत्रकार ने एयर मार्शल एके भारती से पूछा कि क्या इस तरह की कविताओं के जरिए भारतीय सेना पाकिस्तान को कुछ संदेश देना चाहती है, तो एयर मार्शल भारती ने रामचरितमानस की चौपाई से इसका जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'बिनय न मानत जलधि जड़, गए तीन दिन बीता बोले राम सकोप तब, भय बिनु होय न प्रीति।' आगे बोले कि अब आप समझ जाइए कि सेना क्या संदेश देना चाहती है।

क्रिकेट की भाषा में समझाया कितना मजबूत है भारत का डिफेंस सिस्टम–प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने 70 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली गई एशेज सीरीज का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज क्रिकेट की बात नहीं करना चाहिए, क्योंकि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है, लेकिन भारत के मजबूत डिफेंस सिस्टम को समझाने के लिए एशेज सीरीज का उदाहरण देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि हमारे एयरफील्ड और लॉजिस्टिक्स को निशाना बनाना बहुत कठिन है। 1970 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज के दौरान दो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइनअप को नष्ट कर दिया। तब ऑस्ट्रेलिया ने एक कहावत दी - 'राख से राख, धूल से धूल, अगर थॉमो तुम्हें नहीं मारेगा, तो लिली पकड़ लेगा' (Ashes to Ashes, dust to dust, if Thommo don't get you, Lillee must)। भारत के डिफेंस सिस्टम में इतने लेयर्स (ग्रीड सिस्टम) हैं कि कोई भी ऑब्जेक्ट बच नहीं सका। यही कारण है कि भारत ने पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइलों को आसानी से मार गिराया।

श्री रविशंकर जी के जन्मदिवस पर गौशाला में की गौ सेवा

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। द आर्ट ऑफ़ लिविंग परिवार द्वारा परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर सेवा एवं सदभावना के संकल्प के अंतर्गत आज दूसरे दिन मंदसौर की गोपाल कृष्ण गौशाला नवलखा बीड़ में गौ सेवा का पुण्य कार्य संपन्न किया गया।

इस सेवा आयोजन में द आर्ट ऑफ़ लिविंग के साधकों ने मिलकर गौशाला में जाकर सैकड़ों गायों एवं बछड़ों को हरा चारा खिलाया तथा उनके स्वास्थ्य और स्वच्छता की ओर विशेष ध्यान दिया। इस अवसर पर उपस्थित सेवाभावीजनों ने गुरुदेव के विचारों को आत्मसात करते हुए गौ माता की सेवा को मानव सेवा का सर्वोच्च रूप बताया सेवा में लगे सभी स्वयंसेवकों ने बताया कि यह कार्य न केवल आध्यात्मिक संतोष प्रदान करता है, बल्कि समाज में करुणा, समर्पण और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को भी जाग्रत करता है इस गौ सेवा कार्यक्रम के माध्यम से द आर्ट ऑफ़ लिविंग परिवार ने यह संदेश दिया कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के जन्मदिवस को केवल उत्सव नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के रूप में मनाया जाना चाहिए इस अवसर पर द आर्ट ऑफ़ लिविंग के वरिष्ठप्रशिक्षक हरीश रायवाल, कमलेश कोठारी, नरेंद्र धनोतिया, दिलीप परमार एवं वालंटियर के रूप में यतींद्र जोशी, अंकित सोनी, श्याम भावसार, नारायण राणा, उज्ज्वल सोनी एवं मातृ शक्ति से किरण गरुड़, विनीता राव, संगीता मोदी एवं आर्ट ऑफ लिविंग के सभी साधक मौजूद रहे एवं गौ सेवा की।

सीतामऊ में एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर आज से

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। नीमा समाज एवं नवशक्ति हाईस्कूल के तत्वावधान में आज 13 मई मंगलवार से सात दिवसीय एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर प्रारंभ हो रहा है। जिसका शुभारंभ 13 मई को प्रात: 9.15 किया जायेगा। इस शिविर में थैरेपिस्ट अर्जुन कटारिया एम.डी. (एक्यू.) एवं प्रिंस विद्यार्थी व सहयोगी प्रकाश गेहलोद द्वारा अपनी सेवाएं दी जाएगी। शिविर 13 मई से 19 मई तक प्रतिदिन प्रात: 8 से दोप. 1 बजे व दोप. 3 से सायं 7 बजे तक नवशक्ति हाईस्कूल, नीमा मोहल्ला सीतामऊ में लगेगा। इस शिविर में एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से कब्ज, गैस, खांसी, पित, सफेद पानी, खून की कमी, अस्थमा, बीपी, शुगर, नसों में ब्लॉकेज, माइग्रेन, थायराईड, शुक्राणु की कमी, पीलिया, कोलेस्ट्रोल, हृदय रोग, स्वपन दोष, हाइट न बढना, चर्म रोग, वजन का घटना व बढ़ना आदि सभी बीमारियों का विदेशी मशीनों एवं एक्यूप्रेशर पद्धति से बिना दवाई के इलाज किया जाएगा। सीतामऊ एवं आसपास के क्षेत्रवासियों से 13 से 19 मई तक आयोजित इस एक्यूप्रेशर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की गई है। शिविर के संबंध में अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन के लिये मो.नं. 8003708162 पर सम्पर्क कर सकते है।

उमराह करके लौटे यात्री का जिला वक्फ कमेटी ने किया इस्तक़बाल

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला वक्फ़ कमेटी मंदसौर के जिला सदस्य हाजी सद्दाम बेग की वालेदाह मोहतरमा क़नीज़ बी के सऊदी अरब से मक्का-मदीना से उमराह (धार्मिक यात्रा) करके आने की ख़ुशी में सीतामऊ अंजुमन जमात ख़ाने में दी गई। दावत में शरीक होकर मोहतरमा क़नीज़ बी को जिला वक़्फ़ कमेटी मंदसौर के सदर अमजद पठान (लाला), नायब सदर शाकिर हुसैन गढ़वी, जिला वक़्फ़ कमेटी मंदसौर जिला सदस्य हारून लाला, सरपंच हारुन कुरेशी, एडवोकेट अज़ीज़ुल्लाह ख़ान ख़ालिद ने फूल मालाएं पहनाकर तहे दिल से इस्तक़बाल कर अपनी ख़ुशियों का इज़हार किया और उनकी दुआएं ली। इस मोके पर हाजी सद्दाम बेग, शकील ख़ान नूरानी व सद्दाम गोरी भी शामिल हुए।

बाड़े में खड़ा ट्रेक्टर चोरी

पिपलियामंडी, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। बाड़े में खड़ा ट्रेक्टर चोरी हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया। गुड़भेली ब निवासी बद्रीलाल तेलकार ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरा महिन्द्रा कंपनी का लाल रंग का ट्रेक्टर (एमपी 14 जेडसी 9332) बाड़े में खड़ा था। सुबह गाय का दूध निकालने गया तो ट्रेक्टर नही था। चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया घटना के बाद गांव जाकर सीसीटीवी केमरे भी चेक किए, लेकिन चोर पीछे से कच्चे रास्ते होकर ट्रेक्टर चोरी कर ले गए, इसलिए सीसीटीवी में कैद नही हुए। पुलिस ने विवेचना के बाद केस दर्ज किया।

सट्टा अंक लिखते पकड़ा

पिपलियामंडी, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। सट्टा अंक लिखते एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ा। पिपलिया पुलिस ने सट्टा अंक लिखते हुए नई आबादी बोतलगंज निवासी जगदीश पिता नंदराम खारोल को पकड़ा। आरोपी से नकदी व सट्टा उपकरण जब्त किए।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत समर वोकेशनल ट्रेनिंग इंटर्नशीप

नीमच, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। प्लानिंग आर्किट्रिक्टचर सिविल इंजीनियरिंग में पढाई कर रहे छात्र, छात्राओं के लिए एक जून से 31 जुलाई 2025 समर वोकेशनल ट्रेनिंग इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला पंचायत नीमच के प्रभारी परियोजना अधिकारी श्री अविनाश भण्डारी ने बताया, कि योजना में चयनित छात्रों को इंटर्नशिप के लिए संबंधित जिलों की जनपद पंचायतों में कार्य के लिए रखा जाएगा और इन्हें 20 हजार रुपए स्टायफंड भी देने का प्रावधान है। समर इंटर्नशिप 2025 के लिए बी.प्लानिंग, बीआर के आर्कीट्रक्टचर एम प्लानिंग, एमआरके आर्कीट्रेक्टचर और बी सिविल के छात्र, छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 मई से प्रारंभ हो चुकी है और अंतिम तिथि 20 मई निर्धारित की गई है। ऑफर के लिए सूचना 26 मई तक दी जाएगी और 2 जून को भोपाल में ओरिएंटेशन होगा। जिला और ब्लाक मुख्यालय पर रिपोटिंग की तिथि 3 जून रखी गई है।

अग्रवाल समाज ने भगवान नृसिंह चतुर्दशी का पर्व मनाया

नरसिंह मन्दिर नव-निर्माण के साथ-साथ कुलदेवी मां महालक्ष्मी और दादी रानी सती का मंदिर भी बनेगा, महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा भी होगी परिसर में विराजित

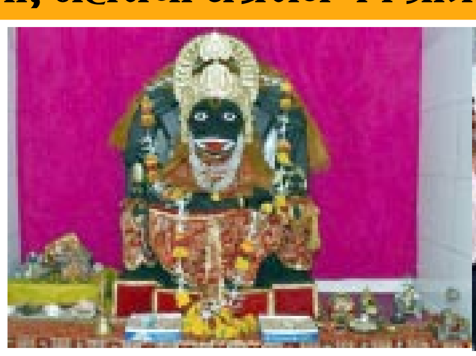

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज नरसिंह मंदिर ट्रस्ट मंदसौर के तत्वाधान में भगवान श्री नरसिंह चतुर्दशी का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। नरसिंह चतुर्दशी पर्व पर नरसिंहपुरा स्थित श्री नरसिंह मंदिर परिसर के बाहर गोधूलि बेला में नृसिंह लीला मंचन का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया गया।भक्त प्रहलाद की पुकार सुनकर भगवान नरसिंह खम्भ फाड़कर प्रकट हुए और आततायी हिरण्याकश्यप रूपी राक्षस का वध किया। वध करते ही भगवान नरसिंह द्वारा हिरण्याकश्यप का वध करते ही अग्रवाल समाजजन मातृ शक्ति पूरे उत्साह के साथ झूम उठे, भगवान नरसिंह के जय जयकार के नारे लगाए गए और भगवान नरसिंह की पूजा अर्चना एवं महा आरती की गई। इस शुभ प्रसंग पर नरसिंह मंदिर परिसर के नवनिर्माण की आधारशिला विद्वान आचार्य डॉ प्रभाकर शास्त्री मुंबई के सानिध्य में रखी गई। नरसिंह मंदिर परिसर में कुलदेवी माता लक्ष्मी जी और दादी रानी सती का भी भव्य मंदिर बनेगा और महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

इस अवसर पर विद्वान आचार्य डॉ प्रभाकर शास्त्री मुंबई ने समाज जनों को आशीर्वचन देते हुए कहा कि भगवान नरसिंह की महिमा अपरंपार है। भगवान नरसिंह ने अपने भक्त को संकट में देखकर ओर उसकी पुकार सुनकर वह प्रकट हो गए और आततायी हिरण्यकश्यप का नरसंहार कर दिया। इसलिए सभी को भगवान की भक्ति मन लगाकर करना चाहिए। संकट के समय सच्चे मन से यदि भगवान को कोई पुकारता है तो भगवान साक्षात आकर उस संकट से उसको उभारते हैं। आपने कहा कि नरसिंहपुरा का नरसिंह मंदिर अति प्राचीन है इस मंदिर के नवनिर्माण की परिकल्पना समाज जनों ने जो की है वह एक श्रेष्ठ कार्य है और मंदिर का नवनिर्माण का कार्य भगवान की बगैर इच्छा के नहीं हो सकता है। भगवान नरसिंहजी की इच्छा थी इसलिए 400 से 500 वर्ष पुराना अति प्राचीन मंदिर अब नए स्वरूप में बनने जा रहा है जो मंदसौर शहर ही नहीं अपितु आसपास के धार्मिक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि रहेगी। डॉ शास्त्री ने कहा कि व्यक्ति अच्छे कर्म करता है तभी मंदिर जैसे कार्य का नवनिर्माण हो पता है। आपने कहा कि नवीन मंदिर का निर्माण करने की बजाय पुराने मंदिरों का रखरखाव एवं जीर्णोद्धार का कार्य करना चाहिए ताकि वह प्राचीन धरोहर सुरक्षित रह सके। अग्रवाल समाज हर क्षेत्र में अग्रणी है और समाज के ऊपर कुलदेवी माता रानी लक्ष्मी जी की कृपा बनी हुई है इसलिए इस परिसर में भगवान नरसिंह के साथ-साथ कुलदेवी महालक्ष्मीजी एवं दादी रानी सती का मंदिर बनाए जाने का जो संकल्प अग्र बंधुओ ने लिया है वह संकल्प निश्चित रूप से भगवान नरसिंहजी पूरा करेंगे और और साथ ही महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा भी विराजित होगी। नरसिंह मंदिर ट्रस्ट के सह सचिव सुनील बंसल ने मंदिर के नवनिर्माण की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कहा कि दिवंगत मंदसौर के पूर्व विधायक बाबू श्री शिवदर्शनलाल अग्रवाल, सेठ श्री लक्ष्मीनारायण गनेडीवाल, स्व. श्री कल्याणमल चोधरी , स्व.श्री विनोद गर्ग, ट्रस्ट के वर्तमान उपाध्यक्ष श्री मुरलीधर ऐरन, पूर्व सचिव श्री राजमल गर्ग सहित सभी ट्रस्ट्रीयो ने खूब लंबी लड़ाई लड़कर इस जमीन को मुक्त कराया और अब ट्रस्ट के अध्यक्ष सेठ श्री प्रदीप गनेडीवाल ओर सभी ट्रस्ट्रीयो ओर समाजजन के तत्वावधान में मन्दिर का नव निर्माण होने जा रहा है।

समाजसेवी नरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज के लिए अति गौरवशाली क्षण है कि 500 वर्ष पुराने मंदिर का सिर्फ नवनिर्माण नहीं हो रहा है बल्कि कुलदेवी महालक्ष्मी जी एवं दादी रानी सती का मंदिर भी बन रहा है और साथ-साथ महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा भी विराजित की जाएगी। यह मंदिर भी भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर पूरे विश्व में अपनी ख्याति प्राप्त करेगा। क्योकि कुलदेवी महालक्ष्मी जी का मंदिर मंदसौर शहर में अन्य किसी स्थान पर नही है। और भगवान नरसिंह के साथ लक्ष्मी- नरसिंह शब्द जुड़ा हुआ है। सामाजिक कार्यकर्ता सनत कगला ने कहा कि अपने धन का सदुपयोग करने का एक सुनहरा अवसर समाजजनों को प्राप्त हुआ है आप सभी बढ़ चढ़कर भगवान नरसिंह के मंदिर निर्माण कार्य में सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर समाज के अनेक परिवारों द्वारा मंदिर निर्माण में अपनी ओर से समर्पण राशि दिए जाने की स्वीकृति दी गई। आरंभ में डॉ शास्त्री का स्वागत मंदिर ट्रस्ट के सह सचिव सुनील बंसल एवं ट्रस्टी आशीष गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत अग्रवाल ने किया तथा आभार आशीष गुप्ता ने माना।

विबोध प्री स्कूल में समर कैंप फन एण्ड लर्न फेस्ट-2025 का समापन

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। अभिनंदन नगर स्थित विबोध प्रीस्कूल में विगत एक माह से चल रहे कैम्प में नगर के 14 से ज्यादा विद्यालय के 50 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया , समर कैम्प समापन मदर्स डे पर समारोह पूर्वक हुआ । राष्ट्रीय स्तर की कथक नृत्यांगना एवं लतामंगेशकर संगीत महाविद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सन्नाली शर्मा एवं दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री नेमीचंद राठौर अतिथि रहे। अपने संबोधन में श्रीमती सन्नाली शर्मा ने कहा कि स्कूल का वातावरण और समर कैम्प की उपलब्धि उत्साह जनक है। नर्सरी कक्षाओं में जो नींव बच्चों में पड़ती है वह जीवन में प्रगति का आधार बनती है। आपने हर माता पिता से आग्रह किया कि बचपन की शिक्षा और संस्कार बेहतर हो यह व्यक्तित्व के साथ समाज और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। आपने विबोध स्कूल प्रबंधन और शिक्षण व्यवस्था की सराहना की।

दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष श्री नेमीचंद राठौर ने कहा कि वर्तमान में बच्चों को पढ़ाई के साथ अन्य सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर सम्पूर्ण विकास किया जा सकता है। खेल , आर्ट एंड क्रॉफ्ट , नृत्य संगीत , कैलीग्राफी , फॉनिक्स , चित्रकला आदि प्रमुख हैं। आपने समर कैम्प में प्रशिक्षित बच्चों एवं अभिभावकों से कहा कि जिस विधा में बच्चों की रूचि है उसे आगे बढ़ाने में मदद करें बच्चे निश्चित ही उंचाई प्राप्त करेंगे। विबोध प्रीस्कूल प्रिंसिपल डॉ श्रुति बटवाल ने स्वागत करते हुए बताया कि समर कैम्प में 12 विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। 4 से 15 वर्ष आयु वर्ग के बालक बालिकाओं ने विभिन्न विधाओं में सीखते हुए दक्षता हांसिल की । आपने मदर्स डे की बधाई दी ओर कहा बच्चों की प्रथम गुरु मां ही होती है। समर कैम्प में संगीत वाद्य यंत्र केसिओ, कॉन्गो का रितिक कुमावत, फाइन आर्ट दीप्ति जागरी, डांस माही भावसार, क्राफ्ट भूमिका राठौर, सेल्फ डिफेंस प्रियंका , रेज़िन आर्ट नफीसा धानवाला, स्वीटी सोनी आदि ने विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान दिया। इसके पूर्व अतिथियों ने समर कैम्प की क्रिएटिव एक्टिविटी प्रदर्शनी का अवलोकन किया और बच्चों से संवाद करते हुए बधाई दी और उत्साह वर्धन किया। विबोध प्रीस्कूल फाउंडर वरिष्ठ पत्रकार डॉ घनश्याम बटवाल ने स्वागत करते हुए अतिथि परिचय दिया। अप्रेल से प्रारंभ हुए समर कैंप में शिक्षकगण रीना सोनी, मयूरी भटनागर, दीक्षा शर्मा, निशा पाटिल, मीना कुंवर, गौरव सोनी अभिषेक बटवाल एवं स्टॉफ सहयोगी रहे। समर कैम्प समापन ओर मदर्स डे के अवसर पर माताओं बहनों के लिए नॉन फायर कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें 15 से अधिक महिलाओं ने सहभागिता करते हुए विभिन्न डिशेज़ तैयार की। निर्णायक एवं अतिथियों ने प्रत्येक डिशेज़ के स्वाद लिए और उनके निर्माण प्रक्रिया बारे में प्रतिभागियों से जानकारी प्राप्त की। समापन समारोह रिमझिम वर्षा के बीच सम्पन्न हुआ। नान फ़ायर कुकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं श्रीमती जयमाला परवाल श्रीमतीअंतिम सोनी कृष्णा राठौड़ शशि कालून्दा को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। समापन अवसर पर बच्चों ने संगीत नृत्य प्रार्थना और मार्शल आर्ट के प्रदर्शन किये और खूब तालियां बटोरी संचालन दीप्ति जागरी ओर डॉ श्रुति बटवाल ने किया।

नप नारायणगढ़ का नाम सुदर्शन रखा जाएगा-उप मुख्यमंत्री

खजूरी गोड़ में मांगलिक भवन बनाएंगे, देवड़ा ने नारायणगढ़ में 2 करोड़ 32 लाख के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, विभाग मध्यप्रदेश शासन के मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने 2 करोड़ 32 लाख के निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। 1 करोड़ की लागत से निर्मित नगर परिषद नारायणगढ के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण, 50 लाख की मल्हारगढ रोड़ डिवाईडर एवं सेंट्रल लाईटिंग का लोकार्पण, 12 लाख रुपए की अमृत 2.0 अंतर्गत ग्रीन पार्क का विकास कार्य, 21 लाख की रोड़ श्मशान घाट बाउन्ड्रीवाल, शेड निर्माण, पेवर ब्लॉक, श्रद्धांजलि हाल, शवदाह रोड का लोकार्पण किया। गांव खजूरी गोड में 49.14 लाख रु से निर्मित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण किया। इस दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, श्री राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक श्री राधेश्याम पाटीदार, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, पत्रकार एवं आम नागरिक मौजूद थे।

लोकार्पण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि नगर परिषद भवन का नाम सुदर्शन नाम रखा जाएगा। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। नगर परिषद का भवन बहुत ही बढ़िया बनाया है। यहां आने वाले लोगों का काम अच्छे से करें एवं उनके साथ अच्छे से व्यवहार करें। मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से हर खेत को सिंचाई के लिए पानी एवं हर गांव में पीने के पानी की सुविधा मिलेगी। सरकार द्वारा एक नहीं अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। जिसमें पात्र व्यक्तियों को लाभ मिल रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने खजूरी गोड़ में अस्पताल के लिए जमीन दान करने वाले दानदाताओं का सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि खजूरी गोड़ में मांगलिक भवन बना दिया जाएगा। सरकार ने गांधी सागर का पानी खेतों में लाने का काम किया है। जिस पर लगातार काम चल रहा है। जिससे अब किसान 1 साल में तीन बार फसल ले सकेंगे। एक समय था जब किसान सिंचाई और बिजली के लिए तरसता था लेकिन अब बिजली 24 घंटे मिल रही है। सिंचाई के लिए बड़ी-बड़ी सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएं बन रही है। सरकार ने आयुष्मान कार्ड योजना चलाई। जिसने गरीब व्यक्ति की संकट के समय मदद की है। लोगों को जीवन दान दिया है। जिसमें हर परिवार को एक साल में 5 लाख तक का निशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। अब कोई भी गरीब व्यक्ति बिना इलाज के नहीं मरेगा। सरकार ने गैस कनेक्शन, शौचालय की व्यवस्था, किसान सम्मन निधि, बिना ब्याज के ऋण, लाडली बहना योजना, संबल जैसी अनेक योजनाएं चलाई है। सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि हमारा देश आर्थिक रूप से प्रगति कर रहा है। आज भारत की पूरी दुनिया में ख्याति है। आज पूरा विश्व आस भरी निगाहों से भारत की तरफ देखता है और यह सब सरकार की दिनरात मेहनत और विकास के कारण संभव हुआ है। हर खेत को पानी, सरकार द्वारा राशन, स्वास्थ्य, आयुष्मान कार्ड जैसी अनेक योजनाएं चलाई। राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि आज खजूरी गोड़ में जो अस्पताल का लोकार्पण हुआ है। पहले ऐसे अस्पताल का लोकार्पण जिला स्तर पर होता था, लेकिन अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी अस्पताल की सुविधा मिलने लगी है। जिससे ग्रामीण जनों को इलाज का लाभ मिलेगा। सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से सभी वंचित लोगों के पक्के मकान दिए जायेगे। कोई भी गरीब बिना आवास के नहीं रहेगा। सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग ने कहा कि, सरकार ने किसानों को मजबूत करने का काम किया है। सरकार द्वारा किसानों को पानी की व्यवस्था की गई। सड़कों का जाल बिछाया। सरकार द्वारा किसानों को खेतों के लिए बिजली की व्यवस्था की।

खेलों को प्रोत्साहन देने सरकार ने किया दोगुना खेल बजट-मुख्यमंत्री

प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में तैयार किए जा रहे है खेल के सर्व सुविधायुक्त मैदान

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी 2025 टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन क्षीरसागर स्टेडियम पर हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने खेल बजट दोगुना कर दिया है। राज्य सरकार ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाडी को 50 लाख रुपए से बढाकर 1 करोड रुपए की प्रोत्साहन राशि देगी। प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में खेल के सर्व सुविधायुक्त मैदान सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे है। खेलो को शिक्षा नीति का अभिन्न अंग बनाकर खिलाड़ियों और खेल प्रशिक्षकों को भी महत्वपूर्ण पद दिए जायेंगे। यह सब प्रयास से प्रदेश को देश में खेल का नंबर 1 राज्य बनाएंगे। प्राचीन काल से खेल पुरुषार्थ की सबसे अनूठी मिसाल है। खेल के मैदानों में अब आधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे रात में भी खेलो का आयोजन किया जा रहा है। उज्जैन में भी विश्व स्तरीय खेल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उज्जैन में जल्द ही एस्ट्रोटर्फ मैदान का निर्माण कर विश्वस्तरीय सुविधा हॉकी के लिए भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी में इंदौर और ओडिशा की टीमें फाइनल खेल रही है। दोनों टीम खेल भावना से खेल खेले और जीत का संपूर्ण प्रयास करें। जल्द ही हमारे प्रदेश एवं जिले से निकले खिलाडी भविष्य में रणजी खेल कर देश की टीम में चयनित हो और विश्व कप जीत कर जिले का नाम रौशन करें, यही मंगलकामनाएं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में विश्व के विभिन्न देशों के उद्योगपतियों द्वारा निवेश कर औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही है। प्रदेश और जिला नित नई विकास की उंचाईयां छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पहलगाम हमले का बदला भारतीय सेना द्वारा संपूर्ण रूप से लेकर भारत को गौरवान्वित किया है।

स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा इंदौर में होगी स्थापित-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में इंदौर के सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापना के लिए भूमि-पूजन किया। महापुरुषों के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। यह भव्य प्रतिमा स्वामी जी की शिक्षाओं और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत में संत परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और उनमें से स्वामी विवेकानंद विलक्षण संत थे। उन्होंने निराकार ईश्वर के उपासक के रूप में मानवता की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि 'मैं देखूंगा तो ही मानूंगा' जो उनके तर्कशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शरीर के माध्यम से जीवन सेवा का मंत्र दिया और आत्मनिर्भरता का आशीर्वाद प्राप्त कर मृत्यु पर विजय प्राप्त की। उन्होंने दुर्बलता और हीनता को जीवन का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए इसे मृत्यु के समान बताया। उनका विश्वास था कि साहस, सामर्थ्य और आत्मबल के सहारे व्यक्ति सभी कमजोरियों को पार कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक था। शिकागो धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और अध्यात्म का ध्वज लहराया। उन्होंने जीवन को अंदर से बाहर की ओर विकसित करने का मंत्र दिया और कर्म को ही साधना बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंदजी के सिद्धांत और विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए, ताकि समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह मूर्ति स्थापना इस दिशा में एक बड़ा प्रयास है। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही यहां पर लाइब्रेरी की भी स्थापना की जाए, जिसमें स्वामी विवेकानंद से संबंधित साहित्य हो। इससे युवाओं को जीवन में सफलता के लिये मार्गदर्शन मिलेगा और जीने की नई राह मिलेगी। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह प्रतिमा न केवल युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से अवगत कराएगी, बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए भी प्रेरित करेगी। स्वामी जी के आदर्श आज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं और यह स्मारक उनके विचारों को स्थायी रूप देगा।

जेसीबी से तोड़ दी दुकानें, 2 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। जेसीबी से दुकान के शटर, लेंटर व छत तोडफोड करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों पर केस दर्ज किया। किशुखेडी निवासी शम्भूपुरी पिता रघुनाथपुरी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि झारडा में गांधी चौराहे पर दुकान को लेकर देवनारायण की रुण्डी कुंडखेडा निवासी अजय मदन पिता रोडसिंह गरासिया व धनोरियाकला निवासी कुलदीप पिता जयप्रकाश शर्मा से विवाद चल रहा है। इसको लेकर नारायणगढ कोर्ट में भी परिवार दायर किया, जो विचाराधीन है। इसके बावजूद दोनों ने रात्रि में जेसीबी से मेरी दुकान के तीन शटर, लेंटर, व छत को जेसीबी से तोडफोड दिया। जिससे करीब 3 लाख का नुकसान हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

कार की टक्कर से बाइक सवार 3 घायल

पिपलियामंडी, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। फोरलेन पर बही फन्टे पर कार की टक्कर से बाइक सवार बालक सहित तीन व्यक्ति घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार शाम चार बजे करीब कार (एमपी 47 सीए 3824) ने बाइक सवार लालकुआ (सोनगरी) निवासी मुकेश (30) पिता भागीरथ, अरुण (12) पिता भेरुलाल, लीलाबाई (60) को टक्कर मार दी। तीनों घायलों को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया।

समाजसेवी अशोक गंगानगर की भाभीजी श्रीमती प्रोमिलादेवी पंचतत्व में विलीन

नीमच, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। अंचल के प्रतिष्ठित अरोरा परिवार एवं समाजसेवी अशोक गंगानगर की भाभीजी श्रीमति प्रोमिलादेवी धर्मपत्नि स्वर्गीय अविनाशजी का गत दिवस 65 वर्ष की आयु में ह्दयघात से निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य थी। श्रीमति अरोरा हंसमुख, सौम्य, मिलनसार और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। श्रीमति अरोरा स्वर्गीय कश्मीरीलाल अरोरा की पुत्रवधु थी, चि. नीरज, अंकुश(गब्बर) की पूज्यनीय मातुश्री, चि.क्रिश एवं युवराज अरोरा की दादीजी थी। श्रीमति अरोरा ने अपने जीवन में कई तीर्थों की यात्राएं की।

सोमवार सुबह 11 बजे बंगला नंबर 43 सीआरपीएफ रोड उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा निकली। अंतिम यात्रा में गणमान्य नागरिकों, समाजजनों, रिश्तेदारों एवं ईष्टमित्रों ने भाग लेकर उन्हें अंतिम विदाई दी। मुक्तिधाम पर आयोजित शोकसभा में पंजाबी समाज के अध्यक्ष हरभजनसिंह सलूजा, ज्ञानीजी, साननसिंह, सचिव सतपाल छाबडा, मनोहरसिंह लोढा, श्री बैकुंडधाम समिति अध्यक्ष सुरेश मोडी, संतोष चोपडा, अश्वीनी भारद्वाज, मनोहर अर्जनानी, उमरावसिंह गुर्जर, रविंद्र गोयल(दशपुर), राहुल पगारिया(मालव दर्शन), डॉ. रितेश छाजेड, कमल गर्ग, गोपाल गर्ग(जीजी), प्रो. एल.एन. शर्मा, नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति, रिखब गोपावत, राकेश भारद्वाज, राजेश सोनकर, हरिओम दीवान, जिला अभिभाषक संघ अध्यक्ष मनीष जोशी, हरीश दुआ, संजय किलेवाला, अशोक रामचंदानी, पिंकू नागोरी, ललित ग्वाला, दीपक चौधरी, विनित पाजी, मुकेश चौपडा, मोनू लोक्स, दीपक भंडारी, राजेंद्र खंडेलवाल, जनरेलसिंह चौहान, रम्मू अग्रवाल एवं मोहन मेघनानी मंदसौर सहित उपस्थित महानुभावों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्घा—सुमन अर्पित किए। मक्तिधाम पर आयोजित शोकसभा में अरोरा परिवार (गंगानगर वाले) के प्रमुख अशोक गंगानगर ने शोक संवेदना स्वीकार की। स्वर्गीय अरोरा का उठावना दिनांक 13 मई मंगलवार शाम चार बजे सीएसवी अग्रोहा भवन नीमच में रखा गया है।

इंजीनियरिंग के छात्रों को समर इंटर्नशीप का अवसर : सीईओ

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण संचानालय भोपाल द्वारा प्लानिंग आर्कट्रिक्टचर सिविल इंजीनियरिंग में पढाई कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए 1 जून से 31 जुलाई समर वोकेशनल ट्रेनिंग इंटर्नशिप का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में चयनित छात्रों को इंटर्नशिप के लिए संबंधित जिलों की जनपद पंचायतों में कार्य के लिए रखा जाएगा और इन्हें 20 हजार रुपए स्टायफंड भी देने का प्रावधान है।

समर इंटर्नशिप-2025 के लिए बी-प्लानिंग, बीआर के आर्कीट्रेक्टचर एम प्लानिंग, एम आरके आर्कीट्रेक्टचर और बी सिविल के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 मई से प्रारंभ हो चुकी है और अंतिम तिथि 20 मई निर्धारित की गई है। ऑफर के लिए सूचना 26 मई तक दी जाएगी और 2 जून को भोपाल में ओरिटेशन होगा। जिला और ब्लाक मुख्यालय पर रिपोटिंग की तिथि 3 जून रखी गई है। जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित छात्रों से इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर लाभ उठाने के लिए कहा गया है।

भगवान बुद्ध के आदर्शों का अनुसरण करने वाला एकमात्र देश है भारत-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन से ज्ञान लेकर हम सारे भारतीय आगे बढ़ रहे हैं और विश्व बंधुत्व को अपनाते हुए प्रेम ,करुणा, सत्य, समता के भाव को आगे बढा रहे हैं। भगवान बुद्ध राज-पाट छोड़कर जब ज्ञान की खोज मे निकले थे और कठिन तप के बाद जो ज्ञान विश्व को दिया, उसका अनुसरण ही हम सबका उदेश्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समता मूलक समाज से हम उन्नति, विकास और सबके कल्याण के मार्ग प्रशस्त कर सकते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के अशोक बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भारती बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को भगवान बुद्ध जयंती पर शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मप्र में सांची, बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। उनके लिए सांची आना सौभाग्य की बात है। बुद्ध सर्किट में सांची का प्रमुख स्थान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय खगोल विज्ञान के अनुसार निर्धारित की गई तिथि, पूर्णिमा अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध और संत रविदास जी के साथ ही अन्य बड़े संत, महात्माओं का जन्म हुआ है। पूर्णिमा पर जब चंद्रमा की 16 कलाएं पूर्ण हो जाती हैं तो एक दिव्य प्रकाश निकलता है। ऐसे महापुरुषों ने पूर्णिमा के दिन जन्म लेकर अपने ज्ञान के प्रकाश से विश्व को रौशन किया है। विश्व में भारतीय ज्ञान परंपरा ही ऐसी परंपरा है, जो ऐतिहासिक काल से लेकर वर्तमान समय तक अक्षुण्ण है। सबसे बड़ी बात है कि समाज के लिए आज भी प्रासंगिक है। 5000 साल से भी अधिक पुराने हमारे ज्ञान को आज भी कोई चैलेंज नहीं कर पाया है। भारत विश्व गुरु है, विश्व गुरु रहेगा।

पीएम मोदी बोले-पानी और... पेज 1 से जारी

आतंकवाद का ये बड़ा सबूत है। हम भारत और नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए लगातार निर्णायक कदम उठाते रहेंगे। युद्ध के मैदान पर हमने हर बार पाकिस्तान को धूल चटाई है। ऑपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। हमने न्यू एज वारफेयर में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। इस ऑपरेशन के दौरान हमारे मेड इन इंडिया हथियारों की प्रामाणिकता सिद्ध हुई। दुनिया देख रही है कि 21वीं सदी के वारफेयर में मेड इन इंडिया डिफेंस इक्विपमेंट का समय आ चुका है।

दुनियाभर में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जुड़े-बहावलपुर और मुरीदके जैसे आतंकी ठिकाने एक प्रकार से ग्लोबल टेररिज्म की यूनिवर्सिटीज रही हैं। दुनिया में कहीं पर भी जो बड़े आतंकी हमले हुए हैं चाहे 9/11हो चाहे लंदन ट्यूब बॉम्बिंग हो या फिर भारत में बड़े आतंकी हमले हों, उन सबके तार इन्हीं आतंक के ठिकानों से जुड़ते रहे हैं। आतंकियों ने हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ा था, इसलिए भारत ने आतंक के ये हेडक्वार्टर्स उजाड़ दिए। इन हमलों में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया है। आतंक के बहुत सारे आका बीते ढाई तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे। जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे। उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया। साथियों भारत की इस कार्रवाई से पाकिस्तान घोर निराशा में घिर गया था। हताशा में घिर गया था। बौखला गया था। इसी बौखलाहट में उसने एक और दुस्साहस किया, आतंक पर भारत की कार्रवाई का साथ देने की बजाय पाकिस्तान ने भारत पर ही हमला करना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने हमारे गुरुद्वारों, घरों, मंदिरों और स्कूलों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया लेकिन इसमें भी पाकिस्तान खुद बेनकाब हो गया। दुनिया ने देखा कैसे पाकिस्तान के ड्रोन, मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्टकर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया। भारत के ड्रोंस, मिसाइलों ने सटीकता के साथ हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिस पर बहुत घमंड था। पहले तीन दिनों में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था। हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हम सभी का एकजुट रहना, हमारी एकता सबसे बड़ी शक्ति है। निश्चित तौर पर ये युग युद्ध का नहीं है, लेकिन ये युद्ध आतंकवाद का भी नहीं है। टेररिज्म के खिलाफ जीरो टॉलरेंस एक बेहतर दुनिया की गारंटी है। पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा, इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है।

पाकिस्तान ने पिटने के बाद दुनियाभर में सीजफायर की गुहार लगाई- भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा, पाकिस्तान दुनियाभर में तनाव कम करने के लिए गुहार लगा रहा था और बुरी तरह पिटने के बाद किसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ को संपर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा चुके थे, आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया था, आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था। जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, जब ये कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, जब भारत ने उस पर विचार किया। मैं फिर दोहरा रहा हूं हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों को जवाबी कार्रवाई को सिर्फ स्थगित किया है, आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि वो आगे क्या रवैया अपनाता है। भारत की एयरफोर्स, आर्मी और नौसेना, बीएसएफ, अर्धसैनिक बल अलर्ट पर हैं। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति है।

पचास किमी पीछा कर गौवंश से भरी तूफान को पकड़ा, गौतस्कर फरार

नीमच, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले में राष्ट्रीय गौरक्षा दल कार्यकर्ताओं ने 50 किलोमीटर तक तूफान गाड़ी का पीछा कर 5 गौवंश को मुक्त कराया। मंदसौर-नीमच जिले में लगातार पशुओं से भरे वाहनों को पकड़ने के लिए गौरक्षा दल के कार्यकर्ता मुस्तेद है। पहले ट्रक व पिकअप में पशुओं को भरकर ले जाया जा रहा था। लेकिन तस्करों ने अब तूफान वाहन में भरकर गौवंश की तस्करी शुरु कर दी। राष्ट्रीय गौरक्षा दल के प्रदेश प्रवक्ता हेमेन्द्रसिंह राठौड, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णपालसिंह पंवार, हेप्पी बना, सचिन नागदा, हर्षराजसिंह हाड़ा, लोकेश नागदा, सौरभ अहीर, लोकेश नागदा, दिलीप नागदा आदि ने वाहनों से तूफान वाहन का पीछा किया। उक्त वाहन को नयागांव के पास केसरपुरा के यहां रोक लिया, लेकिन इसमें सवार दो पशु तस्कर भाग निकले। पुलिस ने वाहन जब्त कर पांचों गौवंश को गौशाला भिजवाया।

नर्सिंग है साक्षात ईश्वर की सेवा-मुख्यमंत्री

मंदसौर, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत नर्सों के त्याग और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने नर्सों को बधाई देते हुए कहा कि आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक सुश्री फ्लोरेंस नाइटिंगेल के अगाध समर्पण से प्रेरित नर्सिंग कार्य साक्षात ईश्वर की सेवा है। पीड़ितों की सेवा के लिए सभी नर्सों की आत्मीयता सदैव वंदनीय है। उल्लेखनीय है कि इटली में 12 मई 1820 को जन्मी नाइटिंगेल के जन्म दिवस को दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय क्रिकेट को एक और झटका...

रोहित के बाद विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट से लिया सन्यास

नई दिल्ली, 12 मई। भारतीय क्रिकेट जगत को एक सप्ताह के भीतर दूसरा बड़ा झटका लगा है। नियमित टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा के बाद अब दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। सोमवार को विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए इसकी जानकारी दी।

पिछले कुछ दिनों से मीडिया में यह खबरें चल रही थीं कि कोहली ने बीसीसीआई को अपने संन्यास के फैसले से अवगत करा दिया है। हालांकि, आगामी इंग्लैंड टेस्ट सीरीज को देखते हुए बीसीसीआई ने उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। इसके बावजूद, कोहली ने अंततः टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने का ही निर्णय किया। भारतीय क्रिकेट के लिए इसे एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि ठीक एक सप्ताह पहले 8 मई को नियमित कप्तान रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। एक सप्ताह के भीतर इन दो दिग्गज खिलाडियों के संन्यास से क्रिकेट प्रशंसक सदमे में हैं। इसी के साथ, भारतीय टेस्ट क्रिकेट में

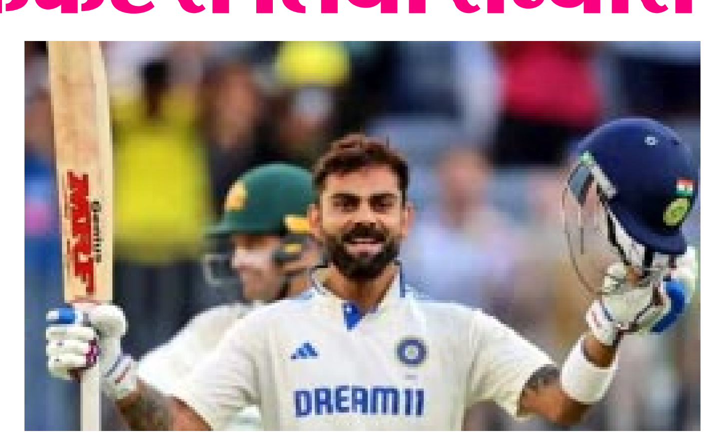

एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत हो गया है। भारतीय टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है, जहां उसे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। विराट कोहली ने अपने पोस्ट में लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। उन्होंने आगे लिखा, जब मैं इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा। अपने पोस्ट के अंत में उन्होंने अपनी जर्सी का नंबर लिखा और साइनिंग ऑफ लिखकर विदाई ली।

श्रीमती जटिया का निधन, दी श्रद्धांजलि

मनासा, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। हंसमुख मधुर व्यवहार, मिलनसारीता व धार्मिक कार्यों में र्सदैव अग्रणी रहने , महिला मंडल में अपने भजनो से पहचान बनाने वाली श्रीमती दाखी बाई जटिया(धर्मपत्नी स्व.किशनलाल जटिया) का सोमवार को 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप कैलाश (मास्टर),प्रहलाद व विनोद (मेंबर)की माता थी।उनकी अंतिम यात्रा समाज जन सहित नगर के सभी वर्ग के नागरिक शामिल हुवे।मोक्ष धाम पर उनके पार्थिव शरीर को उनके पुत्र , पोत्रो एव परिवारजनों ने उनको पवित्र अग्नि को समर्पित करते हुवे पंचतत्व मां विलीन किया।मोक्ष धाम पर समाज सहित नागरिकों ने उनके समाज हित में उनकी सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुवे श्रद्धांजलि अर्पित की।आज 13 मई मंगलवार को प्रात: 10बजे उनके रामपुरा नाका मार्ग स्थित निवास पर उठवाना कार्यक्रम रखा गया हे।

पेंशन नियम बदलेगी सरकार

अविवाहित पुत्री, विधवा, परित्याक्ता भी होंगी पात्र

भोपाल, 12 मई गुरु एक्सप्रेस। कर्मचारियों के हित में एक के बाद एक कदम उठाने के बाद अब सरकार पेंशनरों की भी सुध लेने जा रही है। पेंशन नियम में संशोधन को अंतिम रूप देने में वित्त विभाग जुटा है। इसमें आश्रित अविवाहित पुत्री को 25 वर्ष से अधिक आयु होने पर भी परिवार पेंशन की पात्रता रहेगा। साथ ही विधवा (कल्याणी) और परित्याक्ता को भी सम्मिलित किया जाएगा।

भारत सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए यह प्रावधान कर दिया है, जिसे प्रदेश के कर्मचारियों के लिए लागू करने की मांग काफी समय से की जा रही थी। संभावना जताई जा रही है कि जून-जुलाई में संशोधित नियम लागू किए जा सकते हैं। जबकि, भारत सरकार ने 28 अप्रैल 2011 को अपने कर्मचारियों के मामले में पेंशन नियमों में संशोधन कर 25 वर्ष से अधिक की अविवाहित बेटी, विधवा, परित्यक्ता बेटी को पेंशन देने की पात्रता दी है। अविवाहित पुत्री की स्थिति में आयु 25 साल से अधिक होने के बाद भी जब तक उसका विवाह नहीं होता, तब तक उसे परिवार पेंशन मिलती रहेगी। विधवा बेटी और परित्यक्ता के मामलों में आजीवन पेंशन का प्रविधान है। अब यह व्यवस्था मध्य प्रदेश में लागू करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है।

कर्मचारी आयोग कर चुका है अनुशंसा – सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी जीपी सिंघल की अध्यक्षता वाला कर्मचारी आयोग भी अविवाहित पुत्रियों की परिवार पेंशन की पात्रता आयु में वृद्धि सहित विधवा और परित्याक्ता को शामिल करने की अनुशंसा कर चुका है। यह रिपोर्ट वित्त विभाग को सौंपी जा चुकी है, जिस पर पेंशन संचालनालय भी अभिमत दे चुका है। रिपोर्ट को लेकर वित्त विभाग के कुछ प्रश्न थे, जिस पर पेंशन संचालनालय ने एक बार फिर अपना पक्ष रख दिया है। सूत्रों का कहना है कि वित्त विभाग ने सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियमों में संशोधन के लिए जो समिति बनाई है, वह नियम को अंतिम रूप दे रही है और जून-जुलाई में कैबिनेट की अनुमति मिलते ही इसे प्रभावी कर दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in